अभ्रक का निर्यात

861. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश के किन-किन देशों को अभ्रक का निर्यात किया गया;

(ख) क्या सरकार ने एम० आई० टी० सी०ओ० (मिटको) का खनिज तथा धातु व्यापार निगम (एम०एम०टी०सी०) के साथ विलय करने का कोई निर्णय ले लिया है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत से जिन प्रमुख देशों को अभ्रक और अभ्रक उत्पादों का निर्यात किया गया है, वे हैं:–आस्ट्रिया, बहरीन द्वीप, बेल्जियम, चीनी ताइपेन, चीन जनवादी गणराज्य, कोलम्बिया, मिस्र अरब गणराज्य, फिलैंड, फ्रांस, जर्मन जनवादी गणराज्य, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, लीबिया, लाइबेरिया, नीदरलैंड, नार्वे, पोलैंड, रोमानिया, सऊदी अरब, सिंगापुर, स्पेन, थाईलैंड, यू.ए.ई., ब्रिटेन, और संयुक्त राज्य अमरीका आदि।

(ख) तथा (ग) सरकार ने एम० एम० टी०सी०लि० में मिटको के विलय का सिद्धात रूप में अनुमोदन कर दिया है।

गेहूं का निर्यात

862. **श्री ईश दत्त यादव :** **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1992–93 में गेहूं का उत्पादन कम होने के कारण केवल 37278 टन गेहूं का ही निर्यात किया जा सका। जोकि 1990–91 और 1991–92 के दौरान किये गये निर्यात से कम था ;

(ख) यदि नहीं, तो उसके अन्य कारण क्या हैं;

(ग) सरकार द्वारा गेहूं का निर्यात लक्ष्य निर्धारित न किये जाने के क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार ने गेहूं का मूल्य इसके अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य की तुलना में कम निर्धारित किया है, यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) जी, नहीं। वर्ष 1992–93 में हुआ 37278 मी० टन गेहूं का निर्यात वर्ष 1990–91 तथा 1991–92 में हुये निर्यात से कम था। हालांकि वर्ष 1992–93 में गेहूं का कुल उत्पादन पिछले प्रत्येक दो वर्षों के उत्पादन से अधिक था।

(ख) विश्व उत्पादन में बढ़ोतरी, उच्च, अधिशेष, विश्व स्टाक, अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मांग एवं मूल्य स्तर में कमी तथा घरेलू मल्यों में वृद्धि जैसे कारकों ने वर्ष 1992–93 में गेहूं के निर्यात को प्रभावित किया।

(ग) गेहूं जैसी वस्तुओं का निर्यात लक्ष्य तय नहीं है क्योंकि ये वस्तुयें जन उपयोग की वस्तुयें हैं। तथापि, निर्यात की, सीमा घरेलू आवश्यकताओं एवं उपलब्ध बेची स्टाक के आधार पर तय की जाती है।

(घ) इस समय गेहूं के लिये कोई न्यूनतम निर्यात मूल्य नहीं है।

US Investment in India Following US Commerce Secretary's visit

863. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:
SHRI G. Y. KRISHNAN:
SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what are the important areas coversed during his talks wih US Commerce Secretary recently;

(b) what are the sectors of economy in which the US industrialists showed interest in investment in India and which of the means have been thrown open for foreign investors; and

(c) whether Government have agreed to open the insurance and financial service sector to the foreign companies; if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) During the talks with US Commerce Secretary on 16.1.95 prospects of expanding Indo-US trade and commercial relations were discussed. Reference was made to Indo-US bilateral agreement on textiles, successful conclusion of the Uruguay Round and establishment of WTO? Use of countervailing and anti-dumping duties as non-tariff barriers, visa restrictions imposed by US on movement of software businessmen. economic reforms process in India and agreement to set up Indo US Commercial Alliance were some of the other important areas covered during the talks.

(b) US industrialists showed interest in investments mainly in the power, telecommunications, agri-business, transport and other infrastructure sectors. Foreign investment in these sectors is permitted as per Government policies.

(c) During the visit of U.S. Commerce Secretary, no special agreement on these issues was concluded.

Proposal to sell Tea Gardens of the tea Trading Corporation

864. SHRI S. MADHAVAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to sell the Tea gardens taken over by the Tea Trading Corporation;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) whether Government will consider developing those Tea gardens instead of selling them?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (c) In view of the continuing losses incurred by the Gardens Division of the Corporation, It has been decided to dispose of all five gardens vested in Tea Trading Corporation of India.

Setting up of plants for export of Tobacco Products in Gujarat

865. SHRIMATI ANANDIBEN JETHABHI PATEL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that foreign businessmen in the Tobacco sector are setting up plants in the State of Gujarat to make tobacco products suitable for 100 percent export;

(b) if so, whether the availability of raw material in the State has been studied by Government;

(c) if so, the details. thereof; and

(d) the involvement of the Central Tobacco Research Institute in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No such proposal has been approved.

(b) to (d) Do not arise.

Scaling down of operations of Coffee Board

866. SHRI G. Y. KRISHNAN:

SHRI SURESH KALMADI:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have decided to scale down Coffee Board's operations with a view to deregularising Coffee trade.

(b) if so, the reasons therefor;

(c) its impact on the retrenchment of the Coffee Board's employees and the amount likely to be paid to them under